www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

सत्यमेव जयते

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 350

रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खण्ड 38 अंक 52 पृष्ठ 40 | नई दिल्ली 29 मार्च - 4 अप्रैल 2014 | ₹ 8.00

सूक्ष्म प्रबंधन

संसाधनों का अपव्यय समाप्त करके उत्पादकता बढ़ाने का एक तरीका

राज कुमार जोइनवाल

1. उत्पत्ति

सूक्ष्म प्रबंधन की धारणा का विकास मूल रूप से जापानी आटोमोटिव उद्योग द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बुरी तरह प्रभावित जापानी अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना था.

2. अर्थ

अंग्रेजी शब्द ''लीन'' का शाब्दिक अर्थ है ''बिना चर्बी का व्यक्ति या ऐसा व्यक्ति जिसके शरीर में अतिरिक्त चर्बी न हो''. इस परिभाषा के आधार पर लीन मैनेजमेंट का अर्थ होगा ''ऐसा प्रबंधन जिसमें नीतियों/दायित्वों/प्राथमिकताओं/प्रयासों/संचार की बहुत सारी परतों/निर्देशन के बहुसंख्य चैनलों का दोहरापन न हो.''

इस प्रकार लीन मैनेजमेंट अर्थात् सूक्ष्म प्रबंधन को एक ऐसे अभियान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसके अंतर्गत सतत सुधार और संसाधनों का अपव्यय समाप्त करते हुए मुनाफे और उत्पादकता में वृद्धि के लक्ष्य हासिल किए जा सकें. विश्वभर में हजारों संगठनों ने सूक्ष्म प्रबंधन पद्धतियों और तकनीकों को लागू करके अपने-अपने निवेश पर लाभ अर्जित करने और उत्पादकता में व्यापक बढ़ोतरी करने में कामयाबी हासिल की है.

3. सिद्धांत:

सूक्ष्म प्रबंधन प्रणाली निम्नांकित पांच सिद्धांतों पर काम करती है:-

(1) मूल्य - ग्राहक के संदर्भ में निर्दिष्ट करें कि मूल्य का सृजन कैसे होता है.
(2) मूल्य श्रृंखला - प्रक्रियागत श्रृंखला के दौरान सभी चरणों की पहचान करना.
(3) प्रवाह - मूल्य प्रक्रिया का प्रवाह बनाए रखना.
(4) संचालन - केवल ग्राहक की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना (ग्राहक की मांग की दर के अनुरूप अल्पावधि व्यवस्था करना).
(5) पूर्णता - ग्राहक की मांग के अनुसार उत्पादन करने के लिए निरंतर प्रयास के जरिए पूर्णता हासिल करना.

4. सूक्ष्म प्रबंधन के समक्ष चुनौतियां

सूक्ष्म प्रबंधन निम्नांकित सात प्रकार के विनिर्माण अपव्ययों पर विचार करता है:-

(1) अत्यधिक उत्पादन - यह स्थिति उत्पादन बंद करने की निर्धारित सीमा के बाद उत्पादन जारी रखने के कारण पैदा होती है.
(2) प्रतीक्षा अवधि - निष्क्रियता की अवधि.
(3) परिवहन - सामग्री को अनावश्यक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना.
(4) अतिरिक्त प्रोसेसिंग - कार्य को दोहराना और पुनः प्रोसेस करना.
(5) माल सूची - अतिरिक्त वस्तुएं जो वर्तमान आदेशों के लिए सीधे अपेक्षित न हों.
(6) गति - अक्षम रूप रेखा के कारण कर्मचारियों द्वारा उठाए जाने वाले अतिरिक्त कदम.
(7) त्रुटिपूर्ण सामान - जो विशिष्टताओं और उम्मीदों के अनुरूप न हो.

सूक्ष्म प्रबंधन की धारणा का विकास चूंकि जापानी आटोमोटिव उद्योग द्वारा किया गया था इसलिए इसके सिद्धांतों को समझने के लिए अक्सर एक मोटरकार की कार्य प्रणाली का उदाहरण दिया जाता है.

(i) कारगर और बेहतर नीतियां: पेट्रोल (ईंधन) वाहन के प्रचालन के लिए आवश्यक है. इसी प्रकार संगठनों को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रबंधन नीतियों की आवश्यकता है. चूंकि पेट्रोल वाहन के प्रदूषण मुक्त प्रचालन में सक्षम होना चाहिए, अतः बेहतर नीतियां किसी संगठन में सभी सम्बद्ध पक्षों की कार्य प्रणाली पर पार्श्ववर्ती/नकारात्मक प्रभावों से मुक्त होनी चाहिए. नीतियों को तैयार करते समय तीन पहलुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए अर्थात् वैश्विक प्रतिस्पर्धा, कर्मचारियों को महत्वपूर्ण परिसंपत्ति समझना और संसाधनों का युक्तिसंगत इस्तेमाल करना.

(ii) लक्ष्य एवं उद्देश्यों की स्पष्टता: सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निष्पादन करने के लिए कार्यालय पहुंच कर अपने दिमाग में संगठन के लक्ष्य एवं उद्देश्यों के बारे में स्पष्ट समझ रखनी चाहिए.

(iii) समन्वय और सहयोग: यह सूक्ष्म प्रबंधन के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है. हम सभी जानते हैं कि कोई कार तेजी से तभी दौड़ती है जब उसके विभिन्न हिस्से-पुर्जों जैसे एक्सिलरेटर, क्लच, गियर, ब्रेक, व्हील स्टिरिंग और अन्य प्रणालियों के बीच समन्वय होता है. कोई हिस्सा अलग-थलग नहीं रह सकता और प्रत्येक हिस्से को अन्य हिस्से के कार्य का पूरक बनना होता है. इस सिद्धांत का अनुपालन करते हुए हम कह सकते हैं कि मानव संसाधनों को चाहिए कि वे ठीक उसी तरह संगठन को निरंतरता और गति प्रदान करें जैसे एक्सिलरेटर कार में काम करता है. वित्त विभाग को सभी अन्य यूनिटों की सहायता करनी चाहिए जैसे किसी कार में क्लच

(शेष पृष्ठ 40 पर)

रोज़गार सारांश

डीएमआरसी

● दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लि. को 1194 स्टेशन कंट्रोलर/ट्रेन ऑपरेटर, ग्राहक संपर्क सहायक, मेंटेनर आदि की आवश्यकता.

अंतिम तिथि: 15.04.2014

आयुध उपस्कर निर्माणी

● आयुध उपस्कर निर्माणी, कानपुर को 38 टीजीटी, शिक्षक प्राइमरी, मल्टी टास्किंग स्टाफ आदि की आवश्यकता.

अंतिम तिथि: प्रकाशन के बाद 21 दिन

कराबीनि

● कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली को 33 प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर की आवश्यकता.

अंतिम तिथि: 07.04.2014

सीएसआईआर-भा.पे.सं.

● सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून को 20 वैज्ञानिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक और वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिकों की आवश्यकता.

अंतिम तिथि: 28.04.2014

भारतीय नौसेना

● भारतीय नौसेना द्वारा कार्यपालक शाखा में पायलट/ पर्यवेक्षक के रूप में अल्प सेवा कमीशन प्रदान करने के लिए अविवाहित भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित.

अंतिम तिथि: 11.04.2014

वेब विशेष

www.rojgarsamachar. gov.in पर वेब विशेष खण्ड के तहत निम्नलिखित आलेख उपलब्ध है:-

1. प्रथम आम चुनाव की तुलना में 2009 के चुनाव खर्च में प्रति निर्वाचक 20 गुणा तक बढ़ोत्तरी

एनीमेशन- एक आकर्षक कॅरिअर

एनीमेशन चित्रों की एक ऐसी श्रृंखला के सृजन की कला है जो पूर्ववर्ती चित्र से थोड़ा भिन्न होती है और इसमें भ्रम पैदा करने के लिये उन्हें तेज़ी से प्रदर्शित किया जाता है. यह कला पत्थरों और गुफाओं में चित्रकला के परंपरागत स्वरूप से उभरकर आई है और आधुनिक दुनिया में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल ने इसमें क्रांति पैदा कर दी है. वॉट डिजनी के लोकप्रिय कार्टून चित्रण, जैसे कि मिकी माउस, डोनाल्ड डक, गूफी और प्लूटो ने दुनियाभर में लोगों का ध्यान आकृष्ट किया है. कम्प्यूटर के साथ प्रयोग 1950 के दशक के मध्य में आरंभ हो गए थे. हालांकि फ़ीचर फिल्मों और टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्माण में कम्प्यूटर एनीमेशन का प्रयोग 1970 से ही देखने को मिला है. अब फिल्मों में चित्रों के विभिन्न स्वरूपों के लिये प्रयोग की जाने वाली प्रमुख तकनीक एनीमेशन है.

एनीमेशन कई प्रकार की होती है. इनमें मुख्यतः कठपुतली एनीमेशन, मिट्टी एनीमेशन, सेल एनीमेशन, पिक्सीलेशन, पिन स्क्रीन एनीमेशन, कम्प्यूटर एनीमेशन हैं. अन्य प्रकार की एनीमेशन में शास्त्रीय और डिजिटल 2डी एनीमेशन, फ्लिपबुक, डिजिटल 3डी एनीमेशन, स्टॉप मोशन, कट-आउट एनीमेशन, पेंट-ऑन-ग्लास एनीमेशन, ड्रान-ऑन-फिल्म एनीमेशन और प्रायोगिक एनीमेशन शामिल हैं. एनीमेशन में चित्रकारी, अवलोकन और बारीकी से तथा सावधानी के साथ धीरे-धीरे परिवर्तन के लिये कौशल अपेक्षित होता है. इसमें कई कदम उठाने होते हैं. कहानी स्वरूप एक प्रक्रिया है जिसमें चित्रकारी की श्रृंखला होती है जिसमें किसी एनीमेटिड फिल्म के लिये डायलॉग के साथ एक्शन जुड़ा होता है. कलाकार तब ये सुनिश्चित करता है कि संगीत को प्रत्येक एक्शन के अनुसार सही समयानुरूप जोड़ा जाये. इसके बाद पात्रों के अलावा संपूर्ण पृष्ठभूमि को निखारा जाता है. कार्टून एनीमेटर पात्रों का चित्रण करते हैं और पात्र के प्रत्येक कदम को कहानी के अनुरूप ढालते हैं. इसके बाद प्रत्येक पात्र को उपयुक्त रंग दिया जाता है. एक चलचित्र तैयार करने के लिये पृष्ठभूमियों और पात्रों के चित्र लेने के लिए विशिष्ट कैमरों का प्रयोग किया जाता है.

कार्टून एनीमेटर्स के कार्य में कोमैडी, नाटक, एडवरटाइजिंग और कम्प्यूटर मॉडलिंग जैसे कई क्षेत्रों में प्रतिभा के साथ कलात्मक कौशलों के संयोजन से एनीमेटिड वर्णनात्मक घटनाक्रमों का सृजन करना शामिल होता है. पेशेवर कार्टून एनीमेटर्स सामान्यतः टीमों में काम करते हैं जहां वे एनीमेशन के स्टोरीबोर्ड, टाइपसेटिंग और संपादन प्रक्रिया में शामिल होते हैं.

एनीमेटर चित्रों का सृजन हाथ से अथवा इलेक्ट्रानिक औजारों से करते हैं और इसके बाद चित्रों की श्रृंखला तैयार करने के लिये कम्प्यूटरों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे एनीमेटिड फिल्म या विशेष इफेक्टस का रूप दिया जाता है. वे फिल्मों, वेब पेजों, प्रोमोशनल स्पॉट और कम्प्यूटर आर्टवर्क के विकास के लिये पेशेवरों की टीम के साथ मिलकर काम करते हैं.

आज दुनिया भर में हजारों कलाकार इस कला क्षेत्र से जुड़े हैं. कार्टून एनीमेटर्स मुख्यतः चलचित्रों और विज्ञापन उद्योगों के लिये काम करते हैं. एक पेशेवर एनीमेटर बनने के लिये किसी व्यक्ति के पास सृजनात्मक कौशल और उच्च स्तर का तकनीकी ज्ञान होना चाहिए. कम्प्यूटर्स और प्रोग्रामिंग का उन्नत ज्ञान इस कार्य के लिये बहुत ज़रूरी होता है. इसके लिये उनके पास बैचलर डिग्री अवश्य होनी चाहिए. विभिन्न विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और कला विद्यालय प्रमाण-पत्र और डिग्री कार्यक्रम संचालित करते हैं जो नये मीडिया पर फ़ोकस के साथ कला का संयोजन करते हैं. इंटर्नशिप कार्यक्रम कार्टून एनीमेशन छात्र को अपने एनीमेटिंग कौशल को विस्तारित करने और एक प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक आधार तैयार करने में मददगार होते हैं.

एक सफल कार्टून एनीमेटर बनने के लिये अन्य कौशलों के साथ-साथ स्टोरीबोर्ड्स, स्टोरी डेवलपमेंट, निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी और संपादन में पेशेवरों की टीम के साथ संयोजन बहुत महत्वपूर्ण है. हालांकि एक सृजनात्मक कलाकार के तौर पर वे लंबे समय तक बैठकर कार्य कर सकने में भी योग्य होने चाहिए. इसके लिये फ़ोकस, ध्यान और व्यापक धैर्य की आवश्यकता होती है.

आधुनिक एनीमेशन के लिये एनीमेशन सॉफ्टवेयर के प्रयोग की आवश्यकता होती है. एनीमेटर्स के कार्य की मांग है कि एनीमेटर कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग जैसे कि फ्लैश, 3डी स्टुडियो मैक्स, माया , लाइटवेव, साफ्टइमेज और सिनेमा 4डी से सुपरिचित हों. कार्य के भाग के तौर पर एक एनीमेटर के लिये किसी या इन सभी प्रोग्रामों के साथ कार्य करने की आवश्यकता होती है.

एनीमेटर द्वारा धारण किये जाने वाले विभिन्न पद और शामिल भूमिकाएं निम्नानुसार हैं:-

मॉडलर-एक ऐसा व्यक्ति जिसे फोर्म, वाल्यूम और एनॉटमी का पूर्ण ज्ञान है. वह एनीमेशन के लिए मॉडल्स का निर्माण करता है.

पृष्ठभूमि कलाकार-इसका कार्य परियोजना में पात्रों की पृष्ठभूमि को पेंट करना है.

लेआउट कलाकार-वह प्रकाश और कैमरा एंगल्स का निर्णय करता है और एनीमेशन के लिये पृष्ठभूमि डिज़ाइन तैयार करता है.

स्कैन ऑपरेटर-इसमें क्लीन अप आर्टिस्ट ड्राइंग्स की स्कैनिंग शामिल है.

3-डी एनीमेटर-कलाकार मूर्ति, तीक्ष्णता और 3-डी मॉडल की बनावट करता है और इसमें जान डालता है. वह इसमें ऐसी विशिष्टता भर देता है

(शेष पृष्ठ 40 पर)

दिल्ली पोस्टल पंजीकरण संख्या डीएल.एसडब्ल्यू 1/4100/2012.14 यू. (सी.).107/2012.14 पूर्व शुल्क के बिना डाक में डालने की अनुमति आर.एन.आई. 28729/76 एन.डी.पी.एस.ओ. नई दिल्ली 29/31.03.2014 (₹ 8) प्रकाशन तिथि : 27.03.2014

सूक्ष्म प्रबंधन...

पृष्ठ 1 का शेष

अपने सहयोगी पुर्जों के लिए काम करता है. प्रशिक्षण विभाग को कर्मचारियों में कौशल अंतराल का मूल्यांकन करना चाहिए और उन्हें निर्देश देने चाहिए ठीक उसी तरह जैसे कार में स्टिरिंग व्हील उसे दिशा प्रदान करता है. इसी प्रकार सतर्कता विभाग को नियम एवं प्रक्रिया संबंधी आवश्यकताओं की जांच और निगरानी का काम करना चाहिए ठीक उसी तरह जैसे कार की गति पर ब्रेक द्वारा नियंत्रण रखा जाता है. इसी प्रकार हम संगठन में अन्य यूनिटों की कार्य प्रणाली निर्दिष्ट कर सकते हैं. प्रत्येक यूनिट प्रबंधन प्रक्रिया का अभिन्न अंग होती है और अन्य यूनिटों के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंध रखना उसका महान दायित्व और जवाबदेही है.

(iv) नई प्रतिभा का समावेश: जिस प्रकार नियमित अंतराल के बाद कार की प्रत्येक सर्विसिंग के समय हम पुराने इंजन आयल के स्थान पर नया इंजन आयल डालते हैं, उसी प्रकार हमें संगठन को युवा, सशक्त बनाए रखने और उसे पुराना पड़ने से बचाने के लिए समय-समय पर बाहर से नए प्रतिभाशाली लोगों को शामिल करते रहना चाहिए.

(v) कारगर शिकायत निपटान प्रणाली: किसी कर्मचारी को कोई ऐसी शिकायत या तकलीफ होने, जिसकी वजह से उसकी प्रेरणा/मनोबल पर प्रतिकूल असर पड़ता हो, की स्थिति में उसकी शिकायत के निपटारे पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए. इसके लिए कारगर और त्वरित शिकायत निपटान प्रणाली अपनाई जानी चाहिए क्योंकि संगठन को उसके लक्ष्य एवं उद्देश्य हासिल करने की दिशा में कर्मचारी ही उसे आगे बढ़ाते हैं.

5. सूक्ष्म प्रबंधन के लाभार्थी :

सूक्ष्म प्रबंधन की धारणा तीन पक्षों के इर्द-गिर्द केंद्रित है. ये हैं - संगठन, कर्मचारी और ग्राहक तथा उनके अलग-अलग हित इस प्रकार हैं:

संगठन: व्यर्थ और अपव्यय में कमी के जरिए संवर्धित उत्पादकता और अधिक मुनाफे का लक्ष्य हासिल करता है.

कर्मचारी: उन्हें सामाजिक सुरक्षा उपायों के जरिए मान्यता, पुरस्कार, बेहतर और सुरक्षित कार्य स्थितियां और प्रेरणा प्राप्त होती है.

ग्राहक: उन्हें परिष्कृत सेवाएं और गुणवत्ता उत्पाद कम लागत पर उपलब्ध होते हैं.

6. निष्कर्ष

सूक्ष्म प्रबंधन की धारणा का विकास हालांकि शुरू में आटोमोटिव उद्योग द्वारा किया गया, लेकिन इसे अन्य सेवाओं और क्षेत्रों में भी अपनाया जा रहा है. भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों ने भी इसे स्वीकार करना शुरू कर दिया है. सूक्ष्म प्रबंधन के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

(i) भारत सरकार द्वारा राजीव गांधी विद्युत ग्रामीण योजना के जरिए समाज के निचले स्तर पर सीधे विद्युत आपूर्ति.

(ii) दिल्ली सरकार द्वारा मेट्रो रेल के संचालन के जरिए सक्षम, बेहतर और किफायती परिवहन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं.

(iii) भारतीय स्टेट बैंक द्वारा न्यूनतम लागत पर नई शाखाएं खोलते हुए गांवों और पर्वतीय क्षेत्रों सहित दुर्गम स्थानों पर नियमित एवं ग्राहकोन्मुखी बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जा रही हैं.

(iv) भारत सरकार द्वारा अनेक क्षेत्रों में परिवारों को पाइप लाइनों के जरिए पीएनजी गैस की आपूर्ति कम लागत पर बाधामुक्त एवं निरंतर की जा रही है.

भारत में सूक्ष्म प्रबंधन के ये गिने चुने उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिनमें ग्राहक पर समूचा ध्यान दिया जाता है और उत्पादों/सेवाओं का विनिर्माण/आपूर्ति वास्तव में सभी प्रक्रियाओं को सुचारू बनाते हुए किफायती दरों पर की जाती है. इसके अंतर्गत प्रक्रियाओं के बीच बेहतर समन्वय और कर्मचारियों की बेहतर भागीदारी सुनिश्चित करते हुए संगठन में सभी प्रकार के संसाधनों का अपव्यय कम करने पर ध्यान दिया जाता है.

(राजकुमार जोइनवाल, प्रशासनिक अधिकारी, इंस्टीट्यूट ऑफ अप्लाइड मैनपावर रिसर्च (योजना आयोग, भारत सरकार के अधीन), ई-मेल: rajjoin@yahoo.co.in)

एनीमेशन - एक आकर्षक...

पृष्ठ 1 का शेष

जिससे वह जीवंत और चलती-फिरती नज़र आए.

रिगिंग आर्टिस्ट- वह मॉडल्ड, टेक्सचर्ड 3-डी पात्र या वस्तु को लेता है और इसे एक ऐसा ढांचा बनाता है या जोड़ता है जिससे वह जीवंत नज़र आए. इससे 3-डी पात्र को बातचीत करने या सही और तीव्रता के साथ चलने में मदद मिलती है.

टेक्सचर आर्टिस्ट-वह 3-डी मॉडल्ड पात्र, वस्तु या वातावरण का धरातल तैयार करता है.

2-डी एनीमेटर-वह अलग चित्रों की एक बहुत उच्च मात्रा तैयार करता है जो एक एनीमेटिड सिक्वेन्स परिभाषित करती है.

एनीमेटर्स को नियुक्त करने वाली सर्वोच्च कंपनियों में शामिल हैं:-

1. टून्ज एनीमेशन इंडिया
2. पेंटामीडिया ग्राफिक्स
3. माया इंटरटेनमेंट
4. यूटीवी टूंज
5. हर्ट इंटरटेनमेंट
6. पदमालया टेलीफिल्म्स
7. निपुण सर्विसिज लिमिटेड
8. जाडो वर्क्स
9. क्रेस्ट कम्युनिकेशन्स
10. सिल्वर टून स्टुडियो

कम्प्यूटर एनीमेशन का क्षेत्र तेज़ी से विस्तारित हो रहा है. एनीमेशन से जुड़ी कंपनियां जैसे कि प्रोडक्शन स्टूडियो और एनीमेशन स्टूडियो कम्प्यूटर एनीमेटर्स को रखते हैं और आकर्षक वेतन के साथ उनको रोज़गार प्रदान करते हैं.

कॉलेज एवं पाठ्यक्रम:

कॉलेज: पिकासो एनीमेशन कॉलेज, बंजारा हिल्स, हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनीमेशन एवं मल्टीमडिया में बी.एससी, मल्टीमीडिया में एम.एससी
पात्रता: किसी भी विषय में 10+2, किसी भी विषयक्षेत्र में स्नातक
प्रवेश: सृजनात्मक अभिरुचि परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रदर्शन
वेबसाइट: www.picasso.co.in

कॉलेज: इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कम्प्यूटर ग्राफिक्स, हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनीमेशन में बैचलर डिग्री, एमएससी (मल्टीमीडिया)
पात्रता: 10+2, किसी भी विषय क्षेत्र में स्नातक
प्रवेश: प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन
वेबसाइट: www.lacg.co.in

कॉलेज: अन्नपूर्णा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फिल्म एंड मीडिया, हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनीमेशन और वीएफएक्स में बैचलर डिग्री
पात्रता: 10+2
प्रवेश: प्रवेश-परीक्षा में प्रदर्शन
वेबसाइट: http://www.aisfm.edu.in

कॉलेज: जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला एवं ललित कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनीमेशन की विशेषज्ञता के साथ बीएफए
पात्रता: 10+2
प्रवेश: प्रवेश-परीक्षा में प्रदर्शन
वेबसाइट: http://jnafau.ac.in

कॉलेज: आईसीएटी डिजाइन एवं मीडिया कॉलेज, हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनीमेशन की विशेषज्ञता के साथ संचार डिजाइन में बी.ए. (आनर्स)
पात्रता: 10+2, किसी भी विषयक्षेत्र में स्नातक
प्रवेश: साक्षात्कार में प्रदर्शन
वेबसाइट: http://www.icat.ac.in

कॉलेज: अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै
पाठ्यक्रम: मल्टीमीडिया टेक्नोलॉजी में एम.ई.
पात्रता: कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स/इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार/इलेक्ट्रानिक्स में बी.ई./बी.टैक
प्रवेश: प्रवेश-परीक्षा और साक्षात्कार में प्रदर्शन
वेबसाइट: www.annauniv.edu

कॉलेज: बीआईटीएस, नोएडा
पाठ्यक्रम: बी.एससी. एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया
पात्रता: 10वीं और 12वीं श्रेणी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक और 10+2 में सभी अपेक्षित विषयों में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक
प्रवेश: सृजनात्मक अभिरुचि परीक्षा में मैरिट, रैंक और प्रदर्शन
वेबसाइट: www.bitmesra.ac.in

कॉलेज: सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कम्युनिकेशन, केरल
पाठ्यक्रम: बी.ए. एनीमेशन एंड ग्राफिक डिज़ाइन, एम.ए. एनीमेशन
पात्रता: 10+2, स्नातक
प्रवेश: प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन
वेबसाइट: http://www.sjcc.co.in

कॉलेज: एजेक मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: विजुअल इफेक्टस एंड एनीमेशन में एम.ए.
पात्रता: कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी विषयक्षेत्र में स्नातक
प्रवेश: प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन
वेबसाइट: http://ajkmcrc.org

(यह आलेख टीएमआईई2ई अकादमी कॅरिअर सेंटर, सिकन्दराबाद (आंध्र प्रदेश) द्वारा प्राप्त हुआ)

न्यूज़ डाइजेस्ट

- *चुनाव आयोग ने सोशल नेटवर्किंग साइट्स के कन्टेन्ट मैनेजर्स को निर्देश दिए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि उम्मीदवार मॉडल आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली कोई भी सामग्री साइट्स पर न डालें. बड़ी सोशल नेटवर्किंग साइट्स को भेजे गए पत्र में चुनाव आयोग ने राजनीतिक विज्ञापनों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं, इनमें, सार्वजनिक क्षेत्रों में लगाए जाने से पहले उनकी विषय-वस्तु के लिए प्रमाण-पत्र लेना शामिल है. ये दिशा-निर्देश ट्विटर, यूट्यूब, फेसबुक तथा विकिपीडिया सहित विभिन्न इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया पर लागू होंगे.*
- *अनुवाद के क्षेत्र में 2013 के साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है. 23 पुरस्कृत व्यक्तियों में जाने-माने पंजाबी लेखक श्री बलबीर माधोपुरी भी शामिल है, जिन्हें राज कमल चौधरी के कहानी संग्रह 'राजकमल चौधरी की चुनिंदा कहानियां' (नेशनल बुक ट्रस्ट से प्रकाशित) के लिए पुरस्कार दिया गया है. वह इस समय प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित योजना (पंजाबी) के संपादक हैं.*
- *प्रख्यात लेखक एवं पत्रकार खुशवंत सिंह का दिनांक 20 मार्च, 2014 को स्वर्गवास. वह 99 वर्ष के थे. श्री सिंह अपने कड़े धर्मनिरपेक्षवाद, अपने हास्य तथा कविता के लिए अपने अमर प्रेम के लिए प्रसिद्ध थे. 2 फरवरी 1915 को हदाली (अब पाकिस्तान में) में जन्में सिंह ने ''ट्रेन टू पाकिस्तान'', ''आई शैल नोट हियर द नाइटिंगल्स'' और ''दिल्ली'' जैसी रचनाएं लिखी थी. 1970 एवं 1980 के दशक में वे कई साहित्यिक तथा समाचार पत्रिकाओं के सम्पादक थे, इनमें इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया तथा दो समाचार पत्र हिन्दुस्तान टाइम्स तथा नेशनल हैराल्ड शामिल हैं. 2007 में उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.*
- *भारत और चीन ने 18 मार्च 2014 को सूचना प्रौद्योगिकी के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. चीन सरकार की मान्यता है कि यह समझौता उन भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए है जो चीन द्वारा चालित कंपनियों से ठेके प्राप्त करने में व्यापक पैमाने पर संघर्षरत रही हैं. दोनों देशों ने यहां 18 मार्च को अपनी तृतीय सामरिक-आर्थिक वार्ता (एस.ई.डी.) जारी रखी.*
- *केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने पांच अस्पतालों को, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कार्ड स्वीकार न करने के लिए पैनल से हटा दिया है और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है. छह महीनों के लिए पैनल से हटाए गए अस्पतालों में फोर्टिस, एस्कोर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद, नई दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट, पंचकुइयां रोड, नई दिल्ली; एम.एस. रामैया स्मारक अस्पताल, बंगलौर (दो इकाइयां) तथा फोर्टिस अस्पताल, जयपुर शामिल है.*
- *रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने क्रीमिया को रूस में मिलाने पर 18 मार्च को एक संधि-पत्र पर हस्ताक्षर किए. क्रेमलिन में रूसी संसद के एक विशेष संयुक्त सत्र में भाग लेने वाले क्रीमिया नेताओं ने भी संधि-पत्र पर हस्ताक्षर किए. श्री पुतिन ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि रूसी संसद संधि की पुष्टि करेगा. यू.के. के प्रधानमंत्री ने कहा कि वे यूरोपीय यूनियन शिखर-सम्मेलन में रूस के विरुद्ध कठोर कदम उठाने पर दबाव देंगे. अमरीकी राष्ट्रपति ओबामा ने रूस को जी-8 राष्ट्र समूह से हटाने की मांग की है.*
- *ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी (ओ.ई.डी.) में 900 नए शब्द तथा सुक्तियां शामिल की गई हैं. फेसबुक तथा ट्विटर युग के उत्पन्न बेस्टी (बेस्ट फ्रेंड) या बुकाहोलिक (ए हैबीचुअल एंड प्रोलिफिक रीडर) तथा टिकटॉक जैसे शब्द ओ.ई.डी. में शामिल किए गए हैं. घड़ी की विशेष ध्वनि का प्रतीक टिक-टॉक पत्रकारिता का एक कार्य है जो घटनाओं का एक विस्तृत कार्यक्रम देता है.*

निःशक्तजनों हेतु संस्थानों को हैंडहोल्डिंग समर्थन

- रु. 1,000/- प्रति निःशक्तजन का अनुदान
- सूचना, सहायता, ऋण प्राप्ति हेतु निःशक्तजनों का मार्गदर्शन
- अनुदान एनएचएफडीसी के साथ सूचीबद्ध संस्थानों को ही

निःशक्तजनों का सशक्तिकरण

नेशनल हैन्डीकैप्ड फाइनेन्स एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन
(निःशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)
रेड क्रॉस भवन, सैक्टर-12, फरीदाबाद-121007
दूरभाष : 0129-2287512, 0129-2287513, फैक्स : 0129-2284371
ई-मेल : nhfdc97@gmail.com, वेबसाइट : www.nhfdc.nic.in रो.स. 52/15

रोज़गार समाचार

श्रुति पाटील
महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक
डॉ. ममता रानी
संपादक
नसीम अहमद (वरिष्ठ संपादक)
(विज्ञापन एवं संपादकीय)
इरशाद अली
(संपादक वितरण)
विनोद कुमार मीणा
संयुक्त निदेशक (उत्पादन)
पी.के. मंडल
वरिष्ठ कलाकार
के.पी. मणिलाल
लेखा अधिकारी

संपादकीय कार्यालय
रोज़गार समाचार
पूर्वी खण्ड IV तल-5, रामकृष्णपुरम
नई दिल्ली-110066

ई-मेल-महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक
director.employmentnews@gmail.com
विज्ञापन : enewsadvt@yahoo.com

संपादकीय :	26163055
विज्ञापन	26104284
टेलीफैक्स	26193012
वितरण	26107405
टैलीफैक्स	26175516
प्रोडक्शन	26177529
लेखा (विज्ञापन)	26193179
लेखा (वितरण)	26182079

प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के लिए **ईरा जोशी,** अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित और प्रिंटिंग प्रेस अमर उजाला पब्लिकेशन लिमिटेड, सी.21 व 22, सेक्टर.59, नोएडा.201301 में मुद्रित, रोज़गार समाचार (सूचना और प्रसारण मंत्रालय) ईस्ट ब्लाक.IV, लेवल.5, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली.110066 द्वारा प्रकाशित, संपादक: डॉ. ममता रानी